महाराणा प्रताप अध्ययन एवं जन कल्याण संस्थान, जयपुर

अल्पसंख्यक महिलाओं का नेतृत्व विकास प्रशिक्षण

प्रगति प्रतिवेदन

महाराणा प्रताप अध्ययन एवं जन कल्याण संस्थान, जयपुर द्वारा अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय भारत सरकार नई दिल्ली की नयी रोशनी योजना के तहत अल्पसंख्यक महिलाओं का छह दिवसीय गैर आवासीय प्रशिक्षण दिनांक 11 मार्च 2014 से 16 मार्च 2014 तक शिव कालोनी, डिग्गी रोड़, सांगानेर, जयपुर में आयोजित किया गया। प्रथम दिवस के प्रथम सत्र में अमरजीत सिंह ने प्रधानमंत्री 15 सूत्री कार्यक्रम और सरकारी तंत्र

संरचना के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की वहीं द्वितीय सत्र में अनिता शर्मा ने महिलाओं के शिक्षा अधिकार जानकारी दी तथा प्रशिक्षणार्थियों की शंकाओं का निवारण किया। द्वितीय दिवस के प्रथम सत्र में प्रियंका शर्मा ने महिलाओं के अधिकार और सूचना का अधिकार पर जानकारी दी वहीं द्वितीय

सत्र में संदर्भ व्यक्ति अनिता शर्मा ने आजीविका और रोजगार पर महिला प्रशिक्षणार्थियों को विस्तार से बताया। तृतीय दिवस के प्रथम सत्र में सार्वजनिक वितरण प्रणाली तथा खाद्य सुरक्षा कानून पर गजराज आचार्य ने विस्तार से महिलाओं की शंकाओं का निवारण किया वहीं द्वितीय सत्र में प्रियंका शर्मा ने स्वास्थ्य, स्वच्छता, पोषण, टीकाकरण, परिवार कल्याण तथा बिमारी नियंत्रण पर जानकारी प्रदान की । चतुर्थ दिवस पर गृह प्रबन्धन, बीपीएल और आधार पर प्रियंका शर्मा ने विस्तार से जानकारी प्रदान की वहीं द्वितीय सत्र में महिलाओं के साथ अपराध विषय पर अनिता शर्मा ने विस्तार से जानकारी प्रदान की। पंचम दिवस को ने प्रथम सत्र में जीवन कौशल पर प्रियंका शर्मा ने विस्तार से महिलाओं की प्रतिभा को निखारा वहीं द्वितीय सत्र में नेतृत्व विकास पर संदर्भ व्यक्ति गजराज आचार्य जानकारी प्रदान की। छठे दिन कौशल विकास अवसर पर धीरजकुमार शर्मा तथा प्रशिक्षण से सीख और खुली चर्चा में प्रियंका शर्मा ने जानकारी प्रदान की तथा सभी शंकाओं का निवारण किया। प्रशिक्षण में संदर्भ व्यक्तियों ने

ओएचपी प्रोजेक्टर, म्यूजिक सिस्टम, लैपटाप, प्रशिक्षण संदर्भ सामग्री के माध्यम से दिया। प्रशिक्षणार्थीयों को स्लीप पैड, फोल्डर, बाल पैन के साथ संदर्भ सामग्री प्रदान की गई। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को दोपहर का भोजन दिया गया जिसकी गुणवत्ता अच्छी थी।

सभी महिलायें इस प्रशिक्षण कार्यक्रम से प्रभावित थी और बताया कि इससे हमारी नेतृत्व क्षमता का विकास हुआ है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से सरकार द्वारा संचालित योजनाओं के साथ ही महिला अधिकारों नेतृत्व आदि की जानकारी मिली है। इस प्रकार के प्रशिक्षण निरंतर आयोजित होने चाहिये ताकि महिलाओं की झिझक खुले और पुरूषों के साथ कंधे से कंधे मिला कर चल सकें। इस प्रशिक्षण से हमारे जीवन में नयी रोशनी का संचार हुआ है हम अल्पसंख्यक समुदाय के कल्याण का कार्य करेंगे।